साहित्य अमृत

मासिक

वर्ष-२२ अंक-३ ❖ पृष्ठ ९२ | आश्विन-कार्तिक, संवत्-२०७३ | अक्तूबर २०१६

संस्थापक संपादक

स्व. पं. विद्यानिवास मिश्र

❖

पूर्व संपादक

स्व. डॉ. लक्ष्मीमल्ल सिंघवी

❖

संपादक

त्रिलोकी नाथ चतुर्वेदी

❖

प्रबंध संपादक

श्यामसुंदर

❖

संयुक्त संपादक

डॉ. हेमंत कुकरेती

❖

कार्यालय

४/१९, आसफ अली रोड,
नई दिल्ली-११०००२
फोन : २३२८९७७७ • फैक्स : २३२५३२३३
इ-मेल : sahityaamrit@gmail.com

❖

शुल्क

एक अंक —₹ ३०
वार्षिक (व्यक्तियों के लिए)—₹ ३००
वार्षिक (संस्थाओं/पुस्तकालयों के लिए)—₹ ४००
विदेश में
एक अंक—चार यू.एस. डॉलर (US$4)
वार्षिक—पैंतालीस यू.एस. डॉलर (US$45)

❖

प्रकाशक, मुद्रक तथा स्वत्वाधिकारी श्यामसुंदर द्वारा
४/१९, आसफ अली रोड, नई दिल्ली-२
से प्रकाशित एवं ग्राफिक वर्ल्ड, १६८६,
कूचा दखनीराय, दरियागंज, नई दिल्ली-२ द्वारा मुद्रित।

❖

साहित्य अमृत में प्रकाशित लेखों में व्यक्त विचार एवं दृष्टिकोण संबंधित लेखक के हैं। संपादक अथवा प्रकाशक का उनसे सहमत होना आवश्यक नहीं है।

इस अंक में

संपादकीय

भारतीय मन का अक्षय प्रकाश पर्व ४

प्रतिस्मृति

अँधेरा धरा पर कहीं रह न जाए/ *महादेवी वर्मा, माखनलाल चतुर्वेदी, अज्ञेय, गोपालदास 'नीरज', गोपाल सिंह नेपाली, हरिवंशराय बच्चन, सुमित्रानंदन पंत, सोहनलाल द्विवेदी* ५

कहानी

आना मेरे घर/ *तुलसी देवी तिवारी* ९

पछतावा/ *एम.डी. मिश्रा आनंद* १८

हवाएँ चुप नहीं रहतीं/ *मृदुला बिहारी* २४

दीपावली की मंगलकामनाएँ/ *सत्यनारायण भटनागर* ३४

गुलमोहर के फूल/ *दुर्गा प्रसाद* ५२

एकांत/ *विजय कुमार सिंह* ६२

आलेख

श्रीलाल शुक्ल : पत्रों के आईने में/ *रमेश चंद्र शाह* १४

एक पुरानी विधा में नए संदर्भों के प्रतिमान/ *बी.के. वर्मा 'शैदी'* २२

कृषि पंडित सुखराम वर्मा/ *परदेशी राम वर्मा* ३८

शक्ति पर्व : नवरात्र व विजयादशमी/ *रिचा शर्मा* ५४

दीवाली आई, रात सुहानी ले आई/ *नलिनी मिश्र* ६४

लघुकथा

आत्मीय/ *मृणालिनी घुले* २३

कविता

आओ फिर से दीया जलाएँ/ *अटल बिहारी वाजपेयी* ८

एक दीपक लड़ रहा है.../ *बालकवि बैरागी* १७

गोधूली की मधुवेला में/ *धीरेंद्र प्रसाद सिंह* ५१

जनमानस का है आह्वान/ *वेदभूषण त्रिपाठी* ५३

एकात्म मानववाद/ *इंदुशेखर तत्पुरुष* ५७

किसलाया नव चैतन्य/ *दयाकृष्ण विजयवर्गीय 'विजय'* ६३

मेलजोल के बोल सुनाए/ *राजा चौरसिया* ७१

स्मरण

राष्ट्रीय चेतना के उद्घोषक उदय प्रताप सिंह/ *राहुल* ३०

व्यंग्य

दीवाली पर निबंध मत लिखाइए/ *पूरन सरमा* ६०

राम झरोखे बैठ के

फुटपाथ के रैन बसेरे/ *गोपाल चतुर्वेदी* ४१

साहित्य का भारतीय परिपार्श्व

नगीनेवाली अँगूठी/ *गुरदयाल सिंह* ५८

साहित्य का विश्व परिपार्श्व

शत्रु/ *एंटन चेखव* ६६

यात्रा-संस्मरण

एक लंबा अंतराल और स्टेच्यू ऑफ लिबर्टी/ *राजेंद्र नागदेव* ७२

लोक-साहित्य

बेटा विवाह के गीतों में विविध भाव/ *मृदुला सिन्हा* ७८

बाल-संसार

चल्लो''मुझे ओढ़ नईं खेलना/ *मंजुरानी जैन* ८०

वर्ग-पहेली ८३

पाठकों की प्रतिक्रियाएँ ८४

साहित्यिक गतिविधियाँ ८६